

नीतिकथा स्त्री. (तत्.) वह कथा जिसका उद्देश्य सदाचार तथा कुशल व्यवहार की शिक्षा प्रदान करना हो जैसे- कछुए और खरगोश की कथा, पंचतंत्र की कथाएँ आदि।

नीतिकुशल वि. (तत्.) नीति का ज्ञान तथा उसका उचित रूप से प्रयोग करने में समर्थ दे. नीति।

नीतिकुशलता स्त्री. (तत्.) नीतिकुशल होने का भाव या गुण, नीति के प्रयोग में अथवा कार्यान्वयन में दक्षता।

नीतिगत वि. (तत्.) नीति से संबंध रखने वाला, नीति संबंधी उदा. नीतिगत प्रश्न।

नीतिज्ञ पुं. (तत्.) नीति जानने वाला, नीतिशास्त्र का ज्ञाता, नीति-निपुण।

नीतिदोष पुं. (तत्.) नीति संबंधी त्रुटियाँ, नीति-निर्माण-काल में की गई भूलें।

नीतिनाटक पुं. (तत्.) साम्य. नीति की शिक्षा देने के उद्देश्य से किए जाने वाले नाटक, नीतिनाट्य पा.काव्य. मध्ययुगीन यूरोप में प्रचलित अन्योक्ति परक- धार्मिक नाटक जिनमें पुण्यों तथा पापों को पात्रों के रूप में प्रस्तुत किया जाता था।

नीति निरपेक्ष वि. (तत्.) नीति. सदाचार निरपेक्ष, जो अच्छाई तथा बुराई से परे हो, नैतिकता के क्षेत्र से बाहर, नीतिबाह्य।

नीति निरपेक्षता स्त्री. (तत्.) नीति निरपेक्ष होने की स्थिति, अवस्था अथवा भाव।

नीति निरपेक्षतावाद पुं. (तत्.) 1. नीति. स्वयं को अच्छाई अथवा बुराई से असंबद्धमानने वालों का मत या सिद्धांत 2. काव्य. 1. काव्य तथा कला का मूल प्रयोजन नैतिकता का प्रचार नहीं है, 'कला, कला के लिए है, ऐसा मत।

नीति परायण वि. (तत्.) नीति के मार्ग पर चलने वाला, नीति के अनुसार आचरण करने के लिए प्रतिबद्ध।

नीतिपरायणता स्त्री. (तत्.) नीति परायण होने का भाव या गुण दे. नीतिपरायण।

नीतिवाक्य पुं. (तत्.) समा. नीति पर बल देने वाला अथवा नीति को प्रधानता देने वाला कथन।

नीतिवाद पुं. (तत्.) नीति को प्रधानता प्रदान करने वाला मत अथवा सिद्धांत।

नीतिवादी वि. (तत्.) नीतिशास्त्र का प्रबल अनुयायी, नीतिवाद का समर्थक, नीतिपरायण।

नीतिशास्त्र पुं. (तत्.) नीति. 1. नैतिक आदर्शों तथा उनके अनुरूप आचरण का अध्ययन करने वाला शास्त्र 2. देश, काल तथा पात्र के अनुसार व्यवहार के नियमों का सूक्ष्म विवेचन करने वाला शास्त्र।

नीति-संहिता स्त्री. (तत्.) नीति संबंधी अधिनियमों, विधियों आदि का क्रमबद्धसंग्रह।

नीति सूक्ति स्त्री. (तत्.) समा. नीति संबंधी सुंदर चमत्कार पूर्ण वाक्य, कथन।

नीप पुं. (तत्.) 1. कदंब-वृक्ष 2. अशोक-वृक्ष 3. पर्वत की तलहटी (नीचे की भूमि)।

नीपमाला स्त्री. (तत्.) कदंब पुष्पों की माला।

नीबू पुं. (तद्.) दे. नींबू।

नीम वि. (फा.) 1. आधा 2. थोड़ा जैसे- नीम गर्म पानी, नीम रजा-आधी स्वीकृति।

नीम पुं. (तद्.) वृंताकार पत्तियों वाला, अत्यंत कड़वे रस वाला तथा अत्यधिक औषधीय महत्व से युक्त एक विशाल वृक्ष जिसके पत्ते, फूल, पतली हरी शाखाएँ छाल आदि सभी उपयोग में आते हैं, इसके लगभग एक सेमी लंबे लंबगोलाकार (कैप्सूल जैसे) फल पककर पीले हो जाते हैं। इस वृक्ष को गुणों की खान कहा जाता है, भारत के गाँवों में इसकी टहनियों का प्रयोग (दातुन के रूप में) दाँत साफ करने के लिए भी होता है।

नीमाना वि. (देश.) भोला-भाला।

नीमावत पुं. (तद्.) निंबार्क संप्रदाय (सधुक्कड़ी बोली में वैष्णवों के निंबार्क संप्रदाय को ही नीमावत कहते हैं)।

नीयत स्त्री. (अर.) 1. संकल्प, मन में रहने वाला भाव, इरादा, उद्देश्य 2. आशय, भावना, मंशा